BUSINESS STANDARD N.D 14/11/18

# अपोलो टायर्स के चेयरमैन का वेतन घटेगा

अजय मोदी
नई दिल्ली, 13 नवंबर

**प्रवर्तक** मुख्य कार्याधिकारियों के लिए मनमाना ढंग से वेतन बढ़ोतरी अब आसान नहीं होगा। टायर बनाने वाली अग्रणी कंपनी अपोलो टायर्स के अल्पांश शेयरधारकों ने चेयरमैन ओंकार एस कंवर और वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक नीरज कंवर को अपना वेतन वित्त वर्ष 2019 से कर पूर्व लाभ का 7.5 फीसदी पर रखने पर जोर दिया है। कंपनी का कहना है कि यह सीमा एक अवधि में और घटाई जा सकती है। पहले यह सीमा शुद्ध लाभ का 10 फीसदी था।

वेतन के चलते प्रबंध निदेशक के तौर पर नीरज कंवर की पुनर्नियुक्ति का अल्पांश शेयरधारकों की तरफ से विरोध के बाद यह कदम देखने को मिला क्योंकि इनके वेतन में बढ़ोतरी कंपनी के लाभ में कमी के बावजूद हुई। सिर्फ 72.72 फीसदी शेयरधारकों ने ही इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया जबकि न्यूनतम 75 फीसदी शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी थी। सार्वजनिक संस्थान की श्रेणी वाले 56 फीसदी शेयरदारकों और करीब 49 फीसदी गैर-सार्वजनिक शेयरधारकों ने पुनर्नियुक्ति के खिलाफ मतदान किया। कंपनी जगत में ऐसे मामले कम देखने को मिलते हैं. जहां प्रवर्तकों की पुनर्नियुक्ति को अल्पांश शेयरधारकों ने खारिज किया हो।

मंगलवार की बैठक में कंपनी के निदेशक मंडल ने पिता-पुत्र के कुल वेतन की सीमा 7.5 फीसदी रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

वित्त वर्ष 2018 में नीरज कंवर का वेतन 48 फीसदी बढ़कर 44.64 करोड़ रुपये पर पहुंच गया जबकि ओंकार एस कंवर का वेतन करीब 10 फीसदी बढ़कर 48.58 करोड़ रुपये रही। कंपनी का एकीकृत लाभ 34 फीसदी घटकर 7.23 अरब रुपये पर आने के बावजूद वेतन बढ़ा। आंकड़े बताते हैं कि वित्त वर्ष 2014 और वित्त वर्ष 2018 के बीच इन दोनों का वेतन दोगुना हो गया।

## अपोलो टायर्स का लाभ 4 फीसदी बढ़ा

अपोलो टायर्स का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 4.19 फीसदी बढ़कर 146 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में कंपनी को 140.17 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। समीक्षावधि में कंपनी की कुल आय 4,269.68 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 3,496.3 करोड़ रुपये रही थी। कंपनी के चेयरमैन ओंकार एस. कंवर ने कहा कि हमारे दो संयंत्र बाढ़ से प्रभावित हुए, हमें देश में ट्रांसपोर्टरों की हड़ताल का सामना करना पड़ा और कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा, इसके बावजूद तिमाही में हमारा प्रदर्शन बेहतर रहा है। समीक्षावधि में कंपनी की कुल बिक्री 23 फीसदी बढ़कर 4,192 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 3,418 करोड़ रुपये रही थी। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कंपनी की बिक्री 22 फीसदी बढ़कर 8,442 करोड़ रुपये रही, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 6,931 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान कंपनी का शुद्ध लाभ 398 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष में 228 करोड़ रुपये रहा था।